यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस का बदला समय 1गोरखपुर : यात्रियों की परेशानी और मांग को देखते हुए रेल प्रशासन ने 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस का समय बदल दिया है। अब यह ट्रेन कम समय में ही अपनी यात्र पूरी कर लेगी। सीपीआरओ के अनुसार ट्रेन 6 अप्रैल से यशवंतपुर से रात 11.40 बजे से चलकर महबूबनगर, काजीपेट, सिरपुर, कागजनगर, चंद्रपुर, नागपुर, इटारसी, भोपाल, झांसी, कानपुर, लखनऊ, फैजाबाद, अयोध्या होते हुए तीसरे दिन रात 7.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 115023 गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस का समय पूर्ववत ही रहेगा। इसके अलावा 15024/15023 यशवंतपुर- गोरखपुर- यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस उक्त तिथि से लखनऊ (पूवरेत्तर रेलवे) की जगह लखनऊ (उत्तर रेलवे) से होकर चलाई जाएगी।

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पूवरेत्तर रेलवे का मुख्यालय स्टेशन गोरखपुर स्वच्छता के अंतरराष्ट्रीय मानक पर खरा उतरा है। उत्कृष्ट साफ-सफाई और गुणवत्तायुक्त यात्री सुविधाओं के लिए स्टेशन को आइएसओ- 9000 : 2015 प्रमाण पत्र दिया गया है। 1मुख्य जनसंपर्क अधिकारी संजय यादव के अनुसार पूवरेत्तर रेलवे प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘स्वच्छ भारत अभियान’ के तहत बेहतर प्रयास किया है। आइएसओ प्रमाण पत्र अब और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशन गोरखपुर में रोजाना लगभग 100 गाड़ियां चलती और गुजरती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र के हजारों लोग यहां से होकर यात्र करते हैं। गोरखपुर के जनरल काउंटर से ही रोजाना औसत 30 हजार टिकट बुक होते हैं। यात्रियों की भीड़ के बाद भी स्टेशन पर कहीं गंदगी नहीं दिखती। इसके लिए महाप्रबंधक राजीव मिश्र खुद सजग रहते हैं। उनके मार्गदर्शन में स्टेशन पर उच्च गुणवत्तायुक्त संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों के माध्यम से समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। विविध कार्यक्रमों के जरिए आम जनता के अलावा रेलकर्मियों को भी जागरूक किया जाता है।6‘स्वच्छ भारत अभियान’ के तहत अंतरराष्ट्रीय मानक पर खरा उतरा गोरखपुर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : कुशीनगर एक्सप्रेस लगातार चौथे दिन शुक्रवार को भी 24 घंटे देर से रवाना हुई। गोरखपुर से पहली को शाम 7.05 बजे से रवाना होने वाली 11016 नंबर की ट्रेन दो दिसंबर को प्रस्थान की। मुंबई ही नहीं इलाहाबाद- कानपुर- दिल्ली रूट पर भी गाड़ियों के पहिए थमने लगे हैं। यात्रियों की परेशानी बढ़ने लगी है। 1फाग में फेल ‘फाग सेफ डिवाइस’ : कोहरा में ट्रेन संचलन को लेकर रेलवे प्रशासन ने एक माह पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। इसके बाद भी ट्रेनों की रफ्तार पटरी से उतर गई है। इंजनों में फाग सेफ डिवाइस लगाए जा रहे हैं, लेकिन वह भी फेल हैं। लोको पायलटों के अनुसार सामान्य स्थिति में तो डिवाइस कार्य कर रहा है, लेकिन घना कोहरा होने पर सिग्नल के समीप पहुंचने पर सूचना दे रहा है। ऐसे में सिग्नल की सटीक जानकारी नहीं मिल पा रही, अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है। डिवाइस में कुछ तकनीकी खामियां हैं। संरक्षा के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है। किसी भी दशा में इस डिवाइस से ट्रेन की रफ्तार नहीं बढ़ सकती। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशन में ‘तकनीकी सिस्टम’ पर कार्य चल रहा है। यह स्थिति तब है जब देश में बुलेट ट्रेन चलाने की बात चल रही है। 1संरक्षा रेलवे की पहली प्राथमिकता : मुख्य जनसंपर्क अधिकारी संजय यादव का कहना है कि संरक्षा रेलवे प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। चालकों को निर्देशित कर दिया गया है कि वे कोहरा के समय ट्रेन को नियंत्रित कर चलाएं। इंजनों में फाग सेफ डिवाइस लगाए जा रहे हैं। जिससे चालकों का आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्हें समय से सिग्नल की जानकारी मिल रही है। सिग्नलों पर चालक की मदद के लिए चूना की मार्किंग करा दी गई है। पटाखा का भी प्रयोग किया जा रहा है। स्टेशनों पर दृश्यता की जांच के लिए विजिबिलिटी टेस्ट आब्जेक्ट लगाए जा रहे हैं। स्टेशन मास्टर खुद इसकी रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। 1चालकों को सतर्क कर रहे वीसीडी : कोहरा के समय संरक्षा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। इंजन में चालकों को सतर्क रखने के लिए विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस (वीसीडी) लगाए जा रहे हैं। यह डिवाइस चालकों को निर्धारित समय पर सतर्क करता है। निश्चित समय पर उसका अलार्म बजता है, जिसे चालक बंद कर देते हैं। अगर चालक ने अलार्म बंद नहीं किया तो ट्रेन खड़ी हो जाएगी। 1रेलवे को हर स्तर पर बढ़ानी होगी सतर्कता : पूवरेत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य परिचालन प्रबंधक राकेश त्रिपाठी कहते हैं कि कोहरा में ट्रेनों की गति और समय पालन में गिरावट स्वाभाविक है। सावधानियों के नियमपूर्वक पालन से ही ट्रेनों की गति और समय पालन को नियंत्रित किया जा सकता है। संरक्षित ट्रेन संचलन के लिए रेलवे को हर स्तर पर सतर्कता बढ़ानी होगी। उपलब्ध संसाधनों पर भरोसा जताना होगा। इंजनों में फाग सेफ डिवाइस और वीसीडी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सिग्नल और समपार फाटकों की निगरानी बढ़ानी होगी। चालकों को प्रशिक्षित करना होगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को फुटप्लेटिंग पर जोर देना होगा।रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।जागरण

लखनऊ प्रमुख संवाददातामुख्यमंत्री अखिलेश यादव के हरी झण्डी दिखाते ही गुरुवार को राजधानी में मेट्रो ट्रेन दौड़ पड़ी। इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ट्रेन के स्टेशन पर आते ही जो जहां था वहीं ठहर गया और इसे निहारने लगा। सीएम अखिलेश यादव व सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव ने गुरुवार को ट्रांसपोर्टनगर डिपो में मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर प्रदेशवासियों को सौगात दी। कई नेता मौजूद: सपा प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव, कैबिनेट मंत्री आजम खां, प्रसिद्ध कवि गोपाल दास नीरज, हिन्दी संस्थान के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह,सांसद डिम्पल यादव, सपा की कैंट प्रत्याशी अपर्णा यादव, कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द सिंह गोप, पवन पाण्डेय, अभिषेक मिश्र सहित कई लोग ऐतिहासिक पल के गवाह बने। डिम्पल ने सौंपी चाभी: इससे पहले मुख्यमंत्री की पत्नी व सांसद डिम्पल यादव ने मेट्रो ट्रेन की महिला ऑपरेटर प्राची व प्रतिभा को मेट्रो ट्रेन की चाबी सौंपी। हरी झण्डी मिलते ही मेट्रो रैम्प पर करीब 10 किलोमीटर की गति से दौड़ने लगी। पहले दिन मेट्रो ट्रांसपोर्टनगर स्टेशन से मवैया तक चलायी गयी। वादा पूरा:अवध अस्पताल चौराहे के पास बने स्पेशल पुल पर मेट्रो को कुछ देर के लिए खड़ा कर दिया गया। यहां भी इसे देखने वालों की भीड़ लग गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह से वादा किया था कि व दो वर्ष में मेट्रो चलाकर दिखाऊंगा,आज मेट्रो चला दी। उन्होंने कहा कि सबसे कम समय में मेट्रो चलाकर अधिकारियों ने कीर्तिमान बनाया है।

लखनऊ। लखनऊ जंक्शन पर लगे एस्केलेटर का शुभारंभ भी रेल मंत्री करेंगे। उत्तर रेलवे के एडीआरएम एसके सपरा ने बताया कि रेलमंत्री चारबाग स्टेशन पर एस्केलेटर व लिफ्ट की आधारशिला रखेंगे। साथ ही वह चारबाग यार्ड से चार लाइन का शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री उत्तर मध्य रेलवे में कई स्टेशनों पर 30 लिफ्ट और 7 एस्केलेटर का शिलान्यास करेंगे और अलीगढ़ स्टेशन पर इलेक्ट्रिनक इंटरलाकिंग और यार्ड रीमॉडयूलिंग की आधारशिला भी रखेंगे। अब आउटर पर नहीं खड़ी होगी ट्रेनें: एडीआरएम एसके सपरा ने बताया कि लखनऊ यार्ड से चार लाइन होने के बाद ट्रेनों को आउटर पर रुकना नहीं पड़ेगा। अभी कानपुर और सुलतानपुर की ओर से चारबाग आने के लिए दो रेल लाइनें हैं ऐसे में ट्रेनों को प्लेटफार्म पर आने के लिए पहले आउटर रुकना पड़ता है।